CS(M) EXAM 2012

F-DTN-M-QJMB

PHILOSOPHY

Paper II

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Questions no. ***1*** *and* ***5*** *which are compulsory, and any* ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers should be precise and to-the-point.

IMPORTANT : Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : *अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।*

SECTION A

1. Write critical notes on each of the following in not more than 150 words each : *12×5=60*

(a) "Democracy, committed to treating everybody equally, is ineffective as a system of government."

(b) Who amongst Austin, Bodin and Laski, is the most consistent in his analysis of the concept of sovereignty ?

(c) The 'political ideology' of Anarchism.

(d) Woman empowerment and Social Justice.

(e) Can we dissociate rights of citizens from their duties ?

2. (a) "Secularism in the Indian context is not a rejection of religion but a fellowship of religions." Discuss. *20*

(b) Is there a necessary connection between social progress and protection against female foeticide ? Discuss. *20*

(c) In what ways is Humanism different from Marxism ? Discuss. *20*

खण्ड क

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर समालोचनात्मक टिप्पणियाँ, अधिक-से-अधिक 150 शब्दों में, लिखिए : *12×5=60*

   (क) "लोकतंत्र, जो प्रत्येक व्यक्ति के साथ समता का बरताव करने के लिए प्रतिबद्ध है, सरकार की एक प्रणाली के रूप में अप्रभावी है ।"

   (ख) ऑस्टिन, बोडिन और लास्की में से कौन संप्रभुता की संकल्पना के अपने विश्लेषण में सबसे अधिक संगत है ?

   (ग) अराजकतावाद की 'राजनीतिक विचारधारा' ।

   (घ) महिला सशक्तीकरण एवं सामाजिक न्याय ।

   (ङ) क्या हम नागरिकों के अधिकारों को उनके कर्त्तव्यों से वियोजित कर सकते हैं ?

2. (क) "भारत के संदर्भ में, धर्मनिरपेक्षतावाद धर्म की अस्वीकृति नहीं है, बल्कि वह धर्मों का मैत्रीभाव है ।" चर्चा कीजिए । *20*

   (ख) क्या सामाजिक प्रगति और मादा भ्रूणहत्या से सुरक्षा के बीच कोई आवश्यक संबंध है ? चर्चा कीजिए । *20*

   (ग) मानवतावाद किन-किन बातों में मार्क्सवाद से भिन्न है ? चर्चा कीजिए । *20*

3. (a) What is multiculturalism ? Can it be an impediment for development and progress ? Discuss. *20*

   (b) Which of the theories of punishment would help us prevent the crime of corruption in Indian society ? Discuss. *20*

   (c) "Denial of access and inheritance of land and property to women is a denial of their fundamental rights as humans." Discuss. *20*

4. (a) What were Gandhi's views on *varṇa* and *jāti* ? Critically discuss Ambedkar's disagreement with Gandhi's treatment of *varṇa*. *30*

   (b) What can be the causes for mass violence ? Can mass violence ever be justified on moral grounds ? Discuss. *30*

3. (क) बहुसांस्कृतिकता से क्या तात्पर्य है ? क्या यह विकास एवं प्रगति में एक बाधा हो सकती है ? चर्चा कीजिए । 20

(ख) दंड की थियोरियों में से कौन सी थियोरी भारतीय समाज में भ्रष्टाचार के अपराध के निवारण में हमारी सहायता करेगी ? 20

(ग) "भूमि एवं संपत्ति की पहुँच एवं उत्तराधिकार का महिलाओं को वंचन, मानवों के रूप में उनके मूल अधिकारों का वंचन है ।" चर्चा कीजिए । 20

4. (क) वर्ण और जाति पर गांधी के विचार क्या थे ? वर्ण के गांधी के प्रतिपादन के साथ अम्बेडकर की असहमति पर समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिए । 30

(ख) सामूहिक हिंसा के क्या कारण हो सकते हैं ? क्या सामूहिक हिंसा को नैतिक आधारों पर कभी उचित ठहराया जा सकता है ? चर्चा कीजिए । 30

SECTION B

5. Discuss all five of the following in not more than 150 words each : *12×5=60*

   (a) "God permitted suffering to discipline the human being."

   (b) Can the existence of God be proved with cogent and convincing rational arguments ?

   (c) Are rebirth and liberation analogous concepts ? Explain.

   (d) Can the notion of absolute truth be justified on rational grounds ?

   (e) Do the concepts of *Ishvara* and *Brahman* signify the same reality in Advaita Vedanta ?

6. (a) "If God does not exist then why should one be moral all the time ?" Discuss. *20*

   (b) Analyse Paul Tillich's statement that "symbolic language alone is able to express the ultimate." *20*

   (c) Discuss the cognitivist account of the nature of religious language. *20*

खण्ड ख

5. निम्नलिखित सभी पांचों पर चर्चा कीजिए, जो प्रत्येक 150 शब्दों से अधिक में न हो : *12×5=60*

(क) "ईश्वर ने मानव को अनुशासित करने के लिए दुःखभोग की अनुमति दी थी ।"

(ख) क्या ईश्वर के अस्तित्व को अकाट्य एवं विश्वासप्रद तर्कसंगत युक्तियों के द्वारा सिद्ध किया जा सकता है ?

(ग) क्या पुनर्जन्म और मुक्ति सदृशार्थक संकल्पनाएँ हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) क्या निरपेक्ष सत्य (ऐब्सोल्यूट ट्रूथ) के अभिप्राय को तार्किक आधारों पर उचित ठहराया जा सकता है ?

(ङ) क्या अद्वैत वेदांत में '*ईश्वर*' और '*ब्रह्म*' की संकल्पनाएँ एक ही यथार्थता को द्योतित करती हैं ?

6. (क) "यदि ईश्वर का अस्तित्व ही नहीं है, तो व्यक्ति सभी समय नैतिक ही क्यों बना रहे ?" चर्चा कीजिए । *20*

(ख) पॉल टिलिक के इस कथन का विश्लेषण कीजिए कि "केवल प्रतीक भाषा ही चरम तत्त्व की अभिव्यक्ति करने में सक्षम है ।" *20*

(ग) धार्मिक भाषा की प्रकृति के संज्ञानार्थक विवरण पर चर्चा कीजिए । *20*

7. (a) Explain the distinction between Deism and Theism. *20*

(b) Is the idea of immortality of the soul utopian or it is realizable ? Discuss. *20*

(c) "I can be moral without being religious, but I cannot be religious without being moral." Do you agree ? Give reasons for your answer. *20*

8. (a) What is the object of religious experience ? Is it empirical or trans-empirical ? Explain in detail. *30*

(b) The concept of revelation is essentially opposed to religious pluralism. Do you agree ? Give reasons for your answer. *30*

7. (क) तटस्थेश्वरवाद (डाइज़्म) और ईश्वरवाद (थीइज़्म) के बीच विभेद स्पष्ट कीजिए । *20*

(ख) क्या आत्मा के अमरत्व का विचार कल्पनालोकी है या कि प्रापणीय है ? चर्चा कीजिए । *20*

(ग) "मैं धार्मिक हुए बिना नैतिक हो सकता हूँ, परंतु मैं नैतिक हुए बिना धार्मिक नहीं हो सकता ।" क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर के कारण प्रस्तुत कीजिए । *20*

8. (क) धार्मिक अनुभव का क्या उद्देश्य है ? क्या वह इंद्रियानुभविक है या कि वह इंद्रियानुभवातीत है ? विस्तार से स्पष्ट कीजिए । *30*

(ख) इलहाम की संकल्पना आवश्यक रूप से धार्मिक बहुत्ववाद के विपरीत है । क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर के कारण बताइए । *30*

F-DTN-M-QJMB

दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं । बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं ।

उत्तर संक्षिप्त और सटीक होने चाहिए ।

महत्त्वपूर्ण : यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें । इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएँ । इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए ।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही में स्पष्ट रूप से काट दें । खाली छूटे हुए पृष्ठों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएँ, ऐसा हो सकता है ।

Note : *English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*